तर्ज- मेरे महबूब न जा आज की रात न जा
मेरे सुन्दरसाथ न जा,करके उदास न जा
आओ पिया जी से कहें,न जुदा हो के रहें

1- हमने काटे हैं इन्तजार के दिन,
तब कहीं आये हैं दीदार के दिन
इस तरह छोड़ कर जो जाओगे,
दिल से तो निकल न पाओगे

2- आप प्रीतम का रूप प्यारा हो,
आप ही तो असल मिलावा हो
आपके बिना फना में हम क्या जिए
जितना भी जिए बेकार जिए

3- दिल में दर्द आंख में आंसू,
चरणों में तुम्हारे मैं रख दूं
आप भी अपना प्यार दे जाओ,
अपने चरणों की धूलि दे जाओ

Nijanand App

4- पिया जी बात इक बताओ हमें,
कब तलक देखोगे यूं नम आंखे
कोई तो आखिरी घड़ी लाओ,
जिस घड़ी में यहां से ले जाओ

Nijanand App